

पाठ योजना

DSE-14 : आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)

क्रेडिट : 4 Lecture : 3 Tutorial : 1

डॉ रक्षा गीता

हिन्दी विभाग

एकल

सप्ताह / अवधि	इकाई / विषय	निर्धारित कवि एवं पाठ	शिक्षण-अधिगम गतिविधि	विद्यार्थी कार्य / मूल्यांकन
जुलाई	आरंभ एवं पृष्ठभूमि	छायावादोत्तर कविता : अवधारणा, पृष्ठभूमि, युगबोध; प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता एवं समकालीन कविता की संक्षिप्त रूपरेखा	व्याख्यान + पूर्वज्ञान परीक्षण + पाठ्यक्रम परिचय	विद्यार्थियों को चार इकाइयों और परियोजना कार्य की जानकारी
अगस्त	इकाई-1	नागार्जुन — <i>सिंदूर तिलकित भाल, उनको प्रणाम, दुखन मास्टर</i>	कविता का पाठ, संदर्भ-व्याख्या, लोकभाषा एवं जनपक्षधरता पर चर्चा	कविता का संक्षिप्त पाठ-विश्लेषण
अगस्त	इकाई-1	गिरिजा कुमार माथुर — <i>15 अगस्त, हम होंगे कामयाब एक दिन</i>	स्वतंत्रता, राष्ट्रबोध, आशा और सामूहिक चेतना पर चर्चा	“छायावादोत्तर कविता में राष्ट्र और समाज”
अगस्त	इकाई-1 पुनरावृत्ति	नागार्जुन एवं गिरिजा कुमार माथुर	दोनों कवियों की भाषा, दृष्टि और काव्य-संवेदना की तुलना	समूह-चर्चा + 10 मिनट की कक्षा-प्रस्तुति
अगस्त	इकाई-2	अज्ञेय — <i>यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप</i>	प्रयोगवाद, व्यक्तित्व, आत्मबोध, प्रतीक एवं बिंब	कविता में प्रतीक एवं बिंब पहचानने का अभ्यास
अगस्त-सितम्बर	इकाई-2	रघुवीर सहाय — <i>रामदास, दयावती का कुनबा</i>	सत्ता, नागरिक जीवन, विडंबना, व्यंग्य और राजनीतिक चेतना	पाठ-विश्लेषण : “रघुवीर सहाय की कविता में सामान्य मनुष्य”

सप्ताह / अवधि	इकाई / विषय	निर्धारित कवि एवं पाठ	शिक्षण-अधिगम गतिविधि	विद्यार्थी कार्य / मूल्यांकन
सितम्बर	इकाई-2 पुनरावृत्ति	अज्ञेय और रघुवीर सहाय	प्रयोगवादी एवं नई कविता के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन	
सितम्बर	इकाई-3	भवानी प्रसाद मिश्र — <i>गीत फरोश, चकित है दुःख, दुनिया मेरे गाँव</i>	सहज भाषा, लोकधर्मी चेतना, कविता और जीवन-संबंध	कविता-पाठ + भाषा-शैली का अभ्यास
सितम्बर	इकाई-3	उदय प्रकाश — <i>सब कुछ होना बचा कुछ नहीं, वर्षा और भाषा, आस्था</i>	समकालीन यथार्थ, विडंबना, भाषा और बदलते सामाजिक संदर्भ	समूह-चर्चा : “समकालीन कविता में बदलता यथार्थ”
अक्टूबर	इकाई-3 पुनरावृत्ति	भवानी प्रसाद मिश्र एवं उदय प्रकाश	परंपरा और समकालीनता का तुलनात्मक अध्ययन	परियोजना विषयों का चयन + रूपरेखा जमा
अक्टूबर	इकाई-4	केदारनाथ सिंह — <i>मुझे और लोगों के बीच में, पानी की प्रार्थना, अंत महज एक मुहावरा है</i>	प्रकृति, मनुष्य, भाषा, स्मृति और समकालीन जीवन	कविता में बिंब और प्रतीक पर कार्यपत्र
अक्टूबर	इकाई-4	कुँवर नारायण — <i>एक वृक्ष की हत्या, एक अजीब सी मुश्किल, कविता की जरूरत</i>	नैतिक प्रश्न, मनुष्य, हिंसा, संवेदना और कविता की भूमिका	पाठ-विश्लेषण + समूह प्रस्तुति
अक्टूबर	इकाई-4 पुनरावृत्ति	केदारनाथ सिंह एवं कुँवर नारायण	दोनों कवियों की काव्य-दृष्टि एवं भाषा की तुलना	
अक्टूबर	समेकित अध्ययन	चारों इकाइयों की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ	प्रगतिवाद → प्रयोगवाद → नई कविता → समकालीन कविता : विकास-क्रम	परियोजना कार्य पर कार्यशाला; विद्यार्थियों द्वारा प्रारंभिक प्रस्तुति
नवम्बर	परियोजना एवं पुनरावृत्ति	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम	विद्यार्थी परियोजना/PPT प्रस्तुत करेंगे; शिक्षक द्वारा फीडबैक	परियोजना प्रस्तुति + PPT मूल्यांकन

सप्ताह / अवधि	इकाई / विषय	निर्धारित कवि एवं पाठ	शिक्षण-अधिगम गतिविधि	विद्यार्थी कार्य / मूल्यांकन
नवम्बर	पाठ्यक्रम समापन	संपूर्ण पाठ्यक्रम	महत्वपूर्ण प्रश्न, अवधारणाएँ, तुलनात्मक चर्चा, परीक्षा- उन्मुख पुनरावृत्ति	अंतिम प्रश्नोत्तर + पाठ्यक्रम पूर्ण

परियोजना कार्य के लिए विषय

परियोजना विषय	विद्यार्थियों से अपेक्षित कार्य
1. छायावादोत्तर हिंदी कविता में युगबोध	दो/तीन कवियों की कविताओं के आधार पर युगबोध की पड़ताल
2. नागार्जुन की कविता में जनपक्षधरता	चयनित कविताओं का पाठ-विश्लेषण
3. अज्ञेय की कविता में व्यक्ति और आत्मबोध	यह दीप अकेला, नदी के द्वीप आदि के संदर्भ में
4. रघुवीर सहाय की कविता में सत्ता और सामान्य मनुष्य	रामदास और दयावती का कुनबा का विश्लेषण
5. भवानी प्रसाद मिश्र की कविता की सहज भाषा	कविता और बोलचाल के संबंध का अध्ययन
6. उदय प्रकाश की कविता में समकालीन यथार्थ	भाषा, विडंबना और सामाजिक संदर्भ
7. केदारनाथ सिंह की कविता में प्रकृति और मनुष्य	चयनित कविताओं का तुलनात्मक अध्ययन
8. कुँवर नारायण की कविता में नैतिक प्रश्न	एक वृक्ष की हत्या एवं कविता की जरूरत के संदर्भ में
9. छायावादोत्तर कविता में 'व्यक्ति' से 'समाज' तक	अज्ञेय, नागार्जुन और रघुवीर सहाय को आधार बनाकर
10. छायावादोत्तर कविता की भाषा में परिवर्तन	चार अलग-अलग कवियों की कविताओं के आधार पर

PPT के लिए विषय

1. छायावाद से छायावादोत्तर कविता तक : बदलती काव्य-दृष्टि
2. प्रयोगवाद और नई कविता : व्यक्ति की खोज
3. नागार्जुन और रघुवीर सहाय : कविता में सत्ता और सामान्य मनुष्य

4. अज्ञेय और कुँवर नारायण : व्यक्ति, नैतिकता और आधुनिक संवेदना
5. केदारनाथ सिंह और भवानी प्रसाद मिश्र : कविता की भाषा
6. छायावादोत्तर कविता में सामाजिक यथार्थ
7. समकालीन कविता में कविता की भूमिका : कुँवर नारायण